



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 75,133	Silver 91,710	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

भारत-ब्रिटेन की साझेदारी पर बोले मप्र के सीएम मोहन यादव....

टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और नॉलेज- पार्टनरशिप पर रहेगा फोकस

भोपाल 26 नवम्बर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इन दिनों यूके की यात्रा पर हैं। अपने इस दौरे से उन्होंने ब्रिटिश सांसदों से मुलाकात कर उन्हें मध्य प्रदेश में निवेश के आकर्षित कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को ब्रिटिश सांसदों के साथ दोपहर भोज किया। इस दौरान सांसदों से बातचीत में मोहन यादव ने कहा कि ब्रिटिश संसद में मेरी यात्रा ने एक बार फिर याद दिलाया कि हमारी लोकतांत्रिक परंपरा कितनी समृद्ध है, जैसे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि यह साझेदारी इतिहास से भी जुड़ी है और भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भारत-ब्रिटेन संबंध अब लिविंग-ब्रिज हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दोहरा भोज के आमंत्रण को स्वीकार कर समय निकालने के लिए ब्रिटिश सांसदों बैरोनेस वर्मा,



बॉब ब्लैकमैन, लार्ड कुलवीर सिंह रेंजर, वीरेंद्र शर्मा और बैरी गार्डनर का आभार जताया।

यूके यात्रा पर लंदन पहुंचे मुख्यमंत्री यादव ने सोमवार को ब्रिटिश संसद का भ्रमण किया। इसके बाद उन्होंने ब्रिटिश सांसदों के साथ दोपहर भोज किया। इस दौरान ब्रिटिश सांसदों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन का उल्लेख किया। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

MALWA FIRST

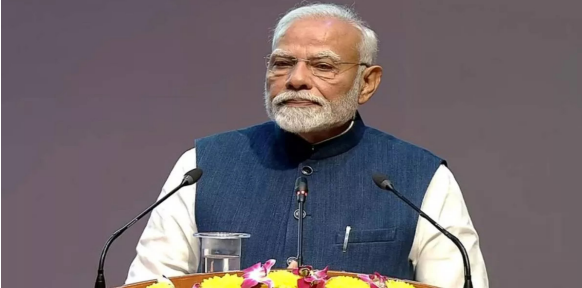
Periodicity- Weekly

हमारा संविधान हमारे वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक है’, 26/11 पर भी बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली । संविधान दिवस समारोह के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वकीलों और कर्मचारियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि संविधान सभा की बहस के दौरान बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था - संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है। इसकी भावना हमेशा युग की भावना है।

आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब – पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व का जब हम स्मरण कर रहे हैं, तब ये भी नहीं भूल सकते कि आज के ही दिन मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले में जिन व्यक्तियों का निधन हुआ, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश का यह संकल्प भी दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी – प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे संविधान निर्माता ये जानते थे कि भारत की



आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वो जानते थे कि आजाद भारत की और भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा... बल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया।

अब न्याय व्यवस्था बदल चुकी – पीएम मोदी ने कहा कि भारतीयों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए नई न्याय संहिता लागू की गई है। दंड आधारित व्यवस्था – पीएम मोदी ने कहा कि आज देश का बहुत ज्यादा जोर देश के

53 करोड़ से ज्यादा ऐसे भारतीयों का बैंक खाता खुला है, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे।

पीएम बोले – हर किसी का रखा ध्यान – प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, 4 करोड़ ऐसे भारतीयों को पक्का घर मिले हैं, जो कई कई पीढ़ियों से बेघर थे। पिछले 10 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा ऐसी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, जो वर्षों से अपने घर में गैस पहुंचने का इंतजार कर रही थीं।

घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा – पीएम मोदी ने कहा कि आज देश का बहुत ज्यादा जोर देश के

नागरिकों को ईज ऑफ लीविंग पर है। एक समय था जब पेंशन पाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को बैंक में जाकर साबित करना होता था कि वो जीवित हैं। आज सीनियर सिटीजन्स को घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा मिल रही है।

जिले में संविधान दिवस मनाया सामूहिक शपथ दिलाई गई

नीमच 26 नवम्बर (निप्र)। संविधान दिवस पर जिले के शासकीय कार्यालयों में संविधान दिवस मनाया गया और संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इसी क्रम में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में संविधान दिवस का कार्यक्रम अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सी.ई.ओ. अरविंद डामोर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कलेक्टोरेट स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान दिवस पर सामूहिक शपथ ली।

जनवरी से पहले सहायक प्राध्यापक के इंटरव्यू होना संभव नहीं

इंदौर । सहायक प्राध्यापक परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों का साक्षात्कार को लेकर इंतजार खत्म नहीं हो रहा है, क्योंकि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की तरफ से अभी तक तारीख तय नहीं हुई है। इसके पीछे कारण यह है कि सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा का तीसरे चरण हालही में संपन्न हुआ है। इसका रिजल्ट आने के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

दिसंबर में आयोग लेगा निर्णय – दिसंबर में आयोग परीक्षा-साक्षात्कार के संबंध में बैठक करेगा। इसके चलते जनवरी से पहले साक्षात्कार के लिए चयनित उम्मीदवारों को नहीं बुलाया जा सकता है। सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के बरसों से पद रिक्त है। आयोग ने दिसंबर 2022 में भर्ती परीक्षा का विज्ञापन निकाला था। 36 विषयों में 1679 पद पर आवेदन बुलाए हैं। इन्हें तीन चरणों में रखा गया। 9 जून को आठ विषय में 826 और 4 अगस्त को आठ विषय में 744 पद रखे। दोनों चरणों में 55 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। आयोग ने दोनों चरण का परिणाम नवंबर तक निकाल दिया है। यहां तक कि चयनित

उम्मीदवारों से साक्षात्कार के लिए भी शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज बुलाए हैं।

5 दिसंबर से आना शुरू होगी शीट – आयोग ने तीसरे चरण में 20 विषय के 109 पद 17 नवंबर को परीक्षा हो चुकी है, जिसमें 3100 में से महज 1200 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। 5 दिसंबर से अलग-अलग विषयों की मॉडल ऑप्स की जारी होना शुरू होगी। उसके पश्चात आयोग रिजल्ट निकाल सकता है। यह प्रक्रिया दिसंबर तक होने की उम्मीद है। उसके तुरंत बाद चयनित उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए आवेदन करना होगा।

ओएसडी रवींद्र पंचभाई ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह में साक्षात्कार को लेकर तारीख तय होगी। इसके बारे में पोर्टल पर अधिसूचना जारी की जाएगी। दो साल में सिर्फ परीक्षा में भर्ती परीक्षा का विज्ञापन निकाला था। 36 विषयों में 1679 पद पर आवेदन बुलाए हैं। इन्हें तीन चरणों में रखा गया। 9 जून को आठ विषय में 826 और 4 अगस्त को आठ विषय में 744 पद रखे। दोनों चरणों में 55 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। आयोग ने दोनों चरण का परिणाम नवंबर तक निकाल दिया है। यहां तक कि चयनित

शालाओं की भूमि पर अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर सूची प्रस्तुत करें – चंद्रा

कलेक्टर ने की जनसुनवाई 137 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच । जिले की सभी शासकीय शालाओं की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर डी.पी.सी. एवं जिला शिक्षा अधिकारी सूची प्रस्तुत करें। जिससे, कि शालाओं की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाने की कार्यवाही की जा सके। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई में एक आवेदक द्वारा स्कूल भूमि से अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन पर कार्यवाही करते हुए डीपीसी एवं जिला शिक्षा अधिकारी नीमच को दिए।

जनसुनवाई में कुल 137 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिस पर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में सुवाखेड़ा के ग्रामीणों द्वारा कृषकों की कृषि भूमि पर आने जाने वाले शासकीय रास्ते को खुलवाने, मजिरिया के मांगीलाल माली ने अपने मकान पर आने जाने वाले आम रास्ते को



रोकने वालों के विरुद्ध कार्यवाही कर रास्ता खुलवाने, धोकलखेड़ा की सुखीबाई जाट ने कुचडौद की खसरा नम्बर 47/2 की 0.46 हैक्टेयर भूमि का विक्रय पत्र पर नामांतरण स्वीकृत होने के बाद भी अमल नहीं होने संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इस पर कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि जनसुनवाई में प्राप्त राजस्व संबंधी सभी आवेदनों पर प्रकरण दर्ज कर तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें और की गई कार्यवाही से आवेदकों को भी अवगत करवाएं।

जनसुनवाई में ग्राम भाटखेड़ा के कन्बैयालाल, लसुडी के पर्वत सिंह, मनासा की रामकन्या, डायली की बदामबाई, गुंजालिया के गोपाल, नीमच के भरतराम, नीमच की पार्वतीबाई, नई आबादी दारू के दिलीप पुरोहित, रतनगढ़ की रूकमणीबाई, पालसोड़ा के दशरथ, अरनिया बोराना के बाबूलाल, जावद के अमृतदास, सिर्गौली के ओमप्रकाश, नीमच की रजनी, नीमच सिटी की किरणदेवी, नीमच की सुमित्रा, इंदिरा नगर नीमच की ललीता बाई आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में निःशुल्क आवेदन लिखने की व्यवस्था हुई, आवेदकों को रही है काफी सुविधा एवं बचत भी



नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र लिखने के लिए जनसुनवाई कक्ष के बाहर (कलेक्ट्रेट नीमच) में ही

आवेदकों के आवेदन लिखने की निःशुल्क व्यवस्था कर दी गई है। आवेदन लिखने के कार्य में पांच स्कूली विद्यार्थी को तैनात किया गया है। जिससे इन विद्यार्थियों को भी जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र लिखने, सीखने का

अवसर मिल रहा है। साथ ही गरीब आवेदकों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लिखने की निःशुल्क सुविधा भी मिलने लगी है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा की गई इस नई पहल की जनसुनवाई में मंगलवार को आए आवेदकों ने सराहना करते हुए काफी लाभदायक बताया है। आवेदकों ने इसके लिए कलेक्टर को धन्यवाद भी दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया, कि मंगलवार को नीमच

शहर के पांच शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को आवेदन लिखने के लिए लगाया है। वहीं आगामी दिनों में इच्छुक अन्य शालाओं के विद्यार्थियों की सेवाएं भी इस कार्य के लिए ली जा सकेंगी। अब जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन लिखवाने के लिए कोई खर्च नहीं करना पड़ेगा, उन्हें कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई कक्ष के बाहर ही यह निःशुल्क सुविधा उपलब्ध हो गई है।

जाजूसगर बांध की 62 वर्षों से लम्बित कार्यवाही पूर्ण करने को लेकर....

नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने पार्षदगणों के साथ कलेक्टर को सौंपा झापन



नीमच । नगरपालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा ने नपा सभापति व पार्षदगणों के साथ मंगलवार, 26 नवंबर को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर श्री सीताराम जाजू सागर बांध की डूब क्षेत्र की भूमि खसरा रिकार्ड में नगरपालिका नीमच के नाम से दर्ज किए जाने के संबंध में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा से चर्चा कर उन्हें ज्ञापन सौंपा व जाजूसगर बांध की वस्तुस्थिति से अवगत कराया। ज्ञापन में मांग की गई कि सीताराम जाजूसगर बांध की डूब क्षेत्र की भूमि खसरा रिकार्ड में नगरपालिका नीमच के नाम दर्ज करने संबंधी 62 वर्षों से लम्बित नगरपालिका पूर्ण की जाए एवं तहसीलदार जीरन द्वारा जाजूसगर बांध की डूब क्षेत्र की भूमि पर अवैध रूप से फसल बोने वाले कृषकों से वसूला गया जुर्माना नगरपालिका को में जमा करवाया जाए।

ज्ञापन में बताया गया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लगभग 60-65 वर्ष पूर्व हर्कियाखाल ग्राम में नीमच नगर में

पेयजल आपूर्ति हेतु सीताराम जाजूसगर बांध का निर्माण कर बांध क्षेत्र का आधिपत्य नगरपालिका नीमच को सौंपा गया था। नपा आधिपत्य के पश्चात् वर्ष 1962 से वर्ष 2012 तक निरंतर नगरपालिका नीमच द्वारा डूब क्षेत्र में न आने वाली भूमि कृषि कार्य हेतु वार्षिक आधार पर उच्च बोली लगाने वाले कृषक को उपयोग हेतु दी जाती रही है। वर्ष 2012 में अल्पवर्षों होने से भूमि नीलामी नहीं की गई व उसके पश्चात् भी परिषद स्वीकृति अप्राप्त रहने से भूमि लीज पर नहीं दी गई। ज्ञापन में बताया गया कि नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा वर्षों से सीताराम जाजूसगर बांध क्षेत्र व उसकी डूब में न आने वाली भूमि खसरा में नगरपालिका नीमच के नाम दर्ज किये जाने हेतु विधिवत आवेदन पत्र अभिलेखों सहित तहसीलदार नीमच को प्रस्तुत भी किए जा चुके हैं। इसके उपरांत भी सीताराम जाजू सागर बांध क्षेत्र की भूमि नगरपालिका नीमच के नाम से दर्ज नहीं की गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि नगरपालिका नीमच प्रतिवर्ष किसानों द्वारा अवैध रूप से बिना अनुमति के फसल बोये जाने को लेकर पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन की मदद से कार्यवाही करती रही है। हाल ही में मीडिया के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि तहसीलदार जीरन द्वारा नगरपालिका परिषद नीमच के एकमात्र स्वामित्व वाले सीताराम जाजूसगर बांध डूब क्षेत्र की भूमि पर समीपस्थ कृषकों द्वारा अवैध रूप से फसल बोये जाने पर बिना नगरपालिका परिषद नीमच की जानकारी के अनाधिकृत रूप से कार्यवाही की जाकर अवैध फसल पर जुर्माना अधिरोपित किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि इस प्रकार जुर्माना आरोपित किए जाने की कार्यवाही से बांध क्षेत्र में अवैध रूप से फसल बोने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा तथा नगरपालिका नीमच सम्पत्ति को हानि होगी। वहीं दूसरी ओर जुर्माना राशि भ्रकर किसान बांध के पानी का भी अत्यधिक दोहन करेंगे, जिससे बांध में पानी की कमी आ सकती है।

ज्ञापन में कहा गया कि सीताराम जाजूसगर बांध नीमच नगर के पेयजल हेतु आरक्षित है। ऐसी स्थिति में उक्त अनाधिकृत कार्यवाही पर रोक लगाई जाकर वसूली गई जुर्माना राशि नगरपालिका कोष में जमा कराई जाना उचित होगा। ज्ञापन में मांग की गई है कि सीताराम जाजूसगर बांध क्षेत्र व उसकी भूमियां खसरा में नगरपालिका परिषद नीमच के नाम पर दर्ज कराई जाने एवं तहसीलदार जीरन द्वारा की गई कार्यवाही पर रोक लगाई जाकर वसूली गई जुर्माना राशि नगरपालिका नीमच कोष में जमा करवाई जावे एवं नगरपालिका सम्पत्तियों से राशि वसूली की कार्यवाही नहीं की जाए। ज्ञापन देते समय नगरपालिका अध्यक्ष के साथ नपा सभापति धर्मेष्ट पुरोहित, निरज अहीर, पार्षद रामचंद्र धनगर, दुर्गाशंकर भील, जिनेंद्र मेहता, श्रीमती किरण शर्मा, रूपेंद्र लोक्से, अरूण प्रजापत, कमल शर्मा, योगेश कविश्वर, राजेश लालवानी, वीरेंद्र पाटीदार, आलोक सोनी, विष्णु राठौर सहित अन्य पार्षदगण भी उपस्थित थे।



ज्ञानोदय
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में



आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार



आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के
भय्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगे –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध





ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282



टंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

टंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स।

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते हैं जिसमें नारियल तेल हो। शैम्पू करने से पहले डैंड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्के हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा

निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उत्तने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करती हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करती हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करती हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंग्स और जैगिंग्स, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है।

सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5' 3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को

बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।



शادی के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरुआत करना भी उनकी जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताए हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाएं तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शادی के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं हैं आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शायदों से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने



परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहें तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शायी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।



पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूँ कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पाती और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कोन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं। जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की

शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंटरैस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कोन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉन्सिमेंट करना बिल्कुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंटरैस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान है? यदि कोई प्लान नहीं है, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कफर्टबल हो सकती हैं हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं। तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें
हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती है। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी पलेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजिशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजों या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजिशन का ख्याल जरूर रखें।



क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपको जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं। हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन

यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है। ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिल्कुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टबल भी नहीं रह सकती हैं। प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।



डिजाइन के एंटेंस एग्जाम की ऐसी हो रणनीति

डिज़न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटटी) बॉम्बे अंडरग्रेजुएट कॉमन एंटेंस एग्जामिनेशन फॉर डिजाइन (यूसीड) 2025 आयोजित करा रहा है। परीक्षा का आयोजन 19 जनवरी, 2025 में होगा। यह परीक्षा देश के 27 शहरों में आयोजित की जाएगी। डिजाइन में ग्रेजुएशन के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए देश के टॉप संस्थानों में बैचलर ऑफ डिजाइन में प्रवेश मिलता है। परीक्षा में करीब दो माह का समय है। जानिए तैयारी के दौरान किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है जो एंटेंस टेस्ट में सफलता की दर को बढ़ा देती है...

ड्रॉइंग एंड डिजाइन एटीट्यूड

परीक्षा ऑब्जर्वेशन और विजुअलाइजेशन पर आधारित होती है। इसलिए ऑब्जेक्ट, सीन और लोगों को अलग-अलग एंगल से ड्रॉ करने की प्रैक्टिस करें। कई ऐसे यूट्यूब चैनल हैं जो इस स्किल को बढ़ाने में मदद करते हैं। उनकी मदद लें। इसके अलावा अपने फोन से अलग-अलग एंगल से किसी चीज की तस्वीरें कैचर करें और उनकी एनालिसिस करें। कम्पोजिशन, लाइटिंग और पर्सपेक्टिव पर खासतौर पर फोकस करेंगे तो ज्यादा बेहतर होगा।

कहां मिलेगा एडमिशन

अंडर ग्रेजुएट कॉमन एंटेंस फॉर डिजाइन (यूसीड) 2025 परीक्षा के जरिए आइआइटटी बॉम्बे, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, रुड़की और जबलपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग के बीडेस (बैचलर ऑफ डिजाइन) प्रोग्राम में एडमिशन मिलेगा।

कॉलेज जंक्शन आते ही जब हम लोग उतरने लगे तो आंटी ने मुस्कुरा कर मुझसे कहा, ‘सॉरी बेटा, मैं अगली बार ध्यान रखूंगी।’ मैंने बड़ी सी मुस्कान के साथ आंटी को शुक्रिया कहा।

हिमाश्रु

साल था 2014, स्वच्छता अभियान शुरू हो चुका था, जिस पर कुछ दिनों पहले ही कॉलेज में भाषण भी दिया था। कॉलेज को 50 साल होने आए थे पर हमारा फटना साल था। दोहर से उठने बस में सफर किया जाता था। अपनी पहचान और किराया आधा करने की स्वीकारता साधने के लिए ‘गर्नमेंट कॉलेज’ या ‘कॉलेज’ कहना काफी होता था। आवाज कड़क और रोंब ऐसा कि सरकारी कॉलेज के छात्र नहीं सरकारी अपसर हो, लेकिन रोंब की उम्र बस में चढ़ने तक ही होती थी क्योंकि शर्त इस बात की होती थी कि सीट खाली रह जाने पर ही आप बैठ सकते हैं।

बस में चढ़कर एक-एक सीट का सफाया लेकर हम खड़े हो गए। अनुमति कॉलेज के लड़कों से दूरी बनाकर खड़े वाली आंटीयों में से एक की आवाज आई, ‘बैठ जाओ बेटा’ और अनुमति महिलाओं से दूरी बनाकर खड़े वाला मैं भी एक अज्ञातकारी बच्चे की तरह उनके पास बैठ गया। बीस में भाषणा पर मैं नींबू पानी लेने के लिए उतर रहा था कि अचानक आंटी बोल पड़ी, ‘बेटा मेरे लिए पी लो आओगे क्या?’ मैंने हां में सिर हिलाया और एक गिलास आंटी के हाथ में धसा दिया।

अबिषेक सिन्हा आते-आते हम दोनों ने अपना-अपना नींबू पानी खत्म कर लिया था। आंटी ने अपने खाली गिलास को खिड़की पर रखा और जिस तरह रोंबत श्रेष्ठ को फिल्मों में गाइयों को उठाला जाता है, उसी तरह बाहर फेंक दिया। भाषण की याद ताज़ा थी तो उसी जोग के चलते मन हुआ कि आंटी के ज्ञान-ख़ूब खोल दू लेकिन कतिपय विचार छोड़कर मैंने अपने गिलास को अपने बैग की जेब

और तिरछी नजर से आंटी की ओर देखा, आंटी अपने हाथों पर छोटी सी मुस्कन रखकर खिड़की के बाहर देखने लगीं।

कॉलेज जंक्शन आते ही जब हम लोग उतरने लगे तो आंटी ने मुस्कुरा कर मुझसे कहा, ‘सॉरी बेटा, मैं अगली बार ध्यान रखूंगी।’ मैंने बड़ी सी मुस्कन के साथ आंटी को शुक्रिया कहा। ऐसे मामलों में अधिकांश लोगों से सुनने को मिलता है, ‘एक गिलास इन्टरनिंग में नहीं जाएगा तो कौनसी दुनिया बदल जाएगी’ या फिर ‘क्या फर्क पड़ता है’ ‘एक हमारे करने से क्या हो जाएगा’, ‘आप ज्यादा ज्ञान मत दो जी’ वगैरह वगैरहा शुरू है कि आंटी ने बाकी लोगों की तरह ये सब नहीं कहा और नकारात्मक प्रतिक्रिया की जगह सकारात्मक बदलाव को अपनाया।

कचरे को अपने साथ-साथ 60 किलोमीटर का सफर करती के बाद उसे यथास्थान यानी कॉलेज के इन्टरनिंग में फेंकना पड़ा। कचरा इन्टरनिंग में फेंकते समय मन में यही विचार था कि बदलाव की आवाज मंच से निकल कर मन तक पहुंच जाए तो हर अभियान सफल हो सकता है। हम अपसर बदलाव को किसी बड़े संकल्प-कसमें-वालों का हिस्सा समझते हैं जबकि बदलाव हमारी छोटी आदतों में ही तो है। विराट भीम प्रतिज्ञा ना सही छोटे-छोटे प्रयास और हमारे हिस्से का हिंदुस्तान तो बदल ही सकते हैं।

STARTUP-MANTRA फैशन मार्केट साल दर साल बढ़ रहा है। उतनी ही बढ़ रही हैं संभावनाएं...

अपना फैशन ब्रांड कैसे शुरू करें जो ‘रॉकेट’ बन जाए

भारत का फैशन मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। विदेशी कंपनियां यहां अपना दायरा बढ़ा रही हैं। इसके अलावा छोटी और नई भारतीय कंपनियां ई-कॉमर्स के साथ इंस्टाग्राम के जरिए युवाओं तक अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। अगर आप भी फैशन की समझ रखते हैं, तो अपना फैशन ब्रांड लॉन्च कर सकते हैं। इसके लिए कुछ बातों को समझ लेना जरूरी है। आइए जानें कैसे फैशन ब्रांड तैयार करें और उसे आगे बढ़ाएं...

ये बातें ध्यान रखें

- फैशन ब्रांड में कुछ खास बात होनी चाहिए जो दूसरों से अलग हो।
- अपने ऑडियंस को कैसे आकर्षित करना है, यह तय कर लें।
- नए ब्रांड के लिए क्वालिटी और प्राइस अहम फैक्टर है, इसे तय करें।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया समझें

एक बार रणनीति तैयार कर लें। उसके बाद जरूरी बात है बिजनेस का रजिस्ट्रेशन कराने की। यह तय करें कि अपने स्टार्टअप को अकेले चलाना चाहते हैं या फिर पार्टनरशिप में। रजिस्ट्रेशन के बाद लाइसेंस के लिए आवेदन करें और शुरुआत करें।

■ बिजनेस प्लान में ये बातें जरूर रखें

अब अपना बिजनेस प्लान तैयार करें। इसमें बताएं कि आपका आइडिया कितना अलग है। आपका लक्ष्य क्या है। मार्केट को कितना समझ पाए हैं। उसके आधार पर क्या करना चाहते हैं। प्रतिद्वंद्वी को कैसे पीछे छोड़ने की तैयारी है। पैसा कहाँ से आएगा और कितनी लागत आएगी। इसके अलावा अपने ब्रांड को पॉपुलर बनाने के लिए कौन-कौन से प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना बेहतर होगा, यह भी समझाएं।

TECH-QUESTION

गूगल डॉक्स में कैसे मिलेगा एआइ-पावर्ड इमेज जनरेटर?

अब गूगल डॉक्स के दस्तावेज में इमेज जोड़ने के लिए एआइ की मदद से इमेज जनरेट कर सकते हैं। गूगल ने अपने डॉक्स में नया जैमिनी-पावर्ड एआइ इमेज जनरेटर लॉन्च किया है, जो आपके लिखे गए कंटेंट को सुंदर बनाने के लिए प्लग इनफ़ैक्ट हो इमेज बना सकता है। जानें कैसे करें इस्तेमाल...

कैसे काम करता है इमेज जनरेटर?

1. सबसे पहले गूगल डॉक्स डॉक्यूमेंट में जाएं। अब इन्सर्ट मेनू पर क्लिक करें, फिर इमेज ऑप्शन चुनें।
2. एक पैनल खुलेगा, जिसमें एक ऑप्शन मिलेगा हेल्प मी क्रिएट एन इमेज। इस पर क्लिक करें और अगले पैनल में एआइ इमेज बनाने के लिए प्रॉम्प्ट दे सकते हैं।
3. अगर चाहते हैं इमेज खास स्टाइल में हो, तो एड ए स्टाइल पर क्लिक करके स्टाइल चुन सकते हैं।
4. जब आप पसंद की स्टाइल चुन लें, तो क्रिएट बटन पर क्लिक करें। एआइ चंद सेकंड्स में आपकी डिमांड के हिसाब से इमेज जनरेट कर देगा।

डॉक में एड करें, साइज बदलें

एआइ इमेज तैयार होने पर पसंदीदा इमेज पर क्लिक करके उसे सीधे अपने डॉक्यूमेंट में डाल सकते हैं। गूगल डॉक्स इमेज के लिए अलग-अलग आकार (जैसे स्क्वायर, हॉरिजॉन्टल या वर्टिकल) चुनने के हिसाब से कस्टमाइज कर सकते हैं। अगर पेजलेस डॉक्यूमेंट है, तो फुल-कवर इमेज भी बना सकते हैं।

- अंजलि का पंवार

अब गूगल डॉक्स के दस्तावेज में इमेज जोड़ने के लिए एआइ की मदद से इमेज जनरेट कर सकते हैं। गूगल ने अपने डॉक्स में नया जैमिनी-पावर्ड एआइ इमेज जनरेटर लॉन्च किया है, जो आपके लिखे गए कंटेंट को सुंदर बनाने के लिए प्लग इनफ़ैक्ट हो इमेज बना सकता है। जानें कैसे करें इस्तेमाल...

ये बातें हमेशा ध्यान रखें

परीक्षा के सिलेबस में दो हिस्से काफी अहम होते हैं। पहला है ड्रॉइंग और दूसरा है डिजाइन एटीट्यूड। कैंडिडेट के पास प्रोडक्ट को ड्रा करने के अलावा ड्रॉइंग की दूसरी स्किल्स भी होनी चाहिए। इन पर अपनी पकड़ बनाएं।

फील्ड विजिट और मॉक टेस्ट जरूरी

विशेषज्ञ कहते हैं डिजाइनिंग और ड्रॉइंग की प्रैक्टिस के लिए फील्ड विजिट बेहद जरूरी है। इसके लिए म्यूजियम जाएं और प्रदर्शनी देखें। पब्लिक प्लेस पर चीजों को अच्छी तरह से ऑब्जर्व करें और उनकी डिटेल्स को समझें। लाइटिंग के असर को देखें और अलग-अलग एंगल से उनके रूप को देखें। इस तरह आप अपनी ड्रॉइंग स्किल को बेहतर बना पाएंगे। इसके साथ ही मॉक टेस्ट पेपर को हल करने की आदत डालें। बेहतर टाइम मैनेजमेंट के लिए मॉक टेस्ट पेपर से अपनी क्षमताओं को भी समझना जरूरी है।

कैरियर बनाने के इतने मौके

इस परीक्षा के जरिए देश के टॉप संस्थान में प्रोडक्ट डिजाइन, कम्प्युनेकेशन डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन, एनिमेशन डिजाइन समेत डिजाइन से जुड़े कई तरह के विषयों में कैरियर बनाने का मौका मिलता है। अधिक जानकारी के लिए नोटिफिकेशन देखें।

जीव-जगत : 500 ग्राम से 5 किलो तक हो सकता है वजन

दबोच लेता है जहरीले सांप को भी

नेवला जहरीला नहीं होता है, लेकिन जहरीले सांप से भी लड़ सकता है। एक निश्चित मात्रा में सांप के जहर को सहन भी कर सकता है। नेवले अधिकतर पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाते हैं, लेकिन ये जंगलों और मैदानों में भी मिल जाते हैं।

भारतीय ग्रे नेवला कोबरा जैसे जहरीले सांपों से लड़ने और खाने के शौक के लिए जाना जाता है। इनकी 30 से अधिक प्रजातियां हैं। ये अफ्रीका, यूरोप महाद्वीपों पर पाए जाते हैं। इनकी कुछ प्रजातियां रात को शिकार करती हैं और कुछ दिन में। नेवले बेहद तेज-चुस्त होते हैं। ये शिकार और शिकारी को आसानी से चकमा दे देते हैं। इनके भागने की रफ्तार करीब 32 किमी की प्रति घंटे तक हो सकती है।

बड़े होने में लगते हैं 4 से 6 महीने

आमतौर पर नेवले के उम्र 6 से 10 साल तक की होती है, लेकिन कुछ नेवले 20 साल तक भी जी जाते हैं। जन्म के समय नेवले के बच्चों का वजन 25 से 28 ग्राम तक होता है। जन्म के समय नेवले के बच्चे देख नहीं पाते हैं और इनके शरीर पर कोई बाल नहीं होते हैं। नेवले के बच्चों को बड़ों को 4 से 6 महीने लगते हैं और 10 महीनों में यह पूरी तरह से अपने पर आत्मनिर्भर हो जाते हैं। नेवले सर्वाहारी होते हैं, ये सांप और छोटे-मोटे कीड़ों, मेंढकों, मछली को अपना भोजन बनाते हैं।

TECH-QUESTION

गूगल डॉक्स में कैसे मिलेगा एआइ-पावर्ड इमेज जनरेटर?

अब गूगल डॉक्स के दस्तावेज में इमेज जोड़ने के लिए एआइ की मदद से इमेज जनरेट कर सकते हैं। गूगल ने अपने डॉक्स में नया जैमिनी-पावर्ड एआइ इमेज जनरेटर लॉन्च किया है, जो आपके लिखे गए कंटेंट को सुंदर बनाने के लिए प्लग इनफ़ैक्ट हो इमेज बना सकता है। जानें कैसे करें इस्तेमाल...

कैसे काम करता है इमेज जनरेटर?

1. सबसे पहले गूगल डॉक्स डॉक्यूमेंट में जाएं। अब इन्सर्ट मेनू पर क्लिक करें, फिर इमेज ऑप्शन चुनें।
2. एक पैनल खुलेगा, जिसमें एक ऑप्शन मिलेगा हेल्प मी क्रिएट एन इमेज। इस पर क्लिक करें और अगले पैनल में एआइ इमेज बनाने के लिए प्रॉम्प्ट दे सकते हैं।
3. अगर चाहते हैं इमेज खास स्टाइल में हो, तो एड ए स्टाइल पर क्लिक करके स्टाइल चुन सकते हैं।
4. जब आप पसंद की स्टाइल चुन लें, तो क्रिएट बटन पर क्लिक करें। एआइ चंद सेकंड्स में आपकी डिमांड के हिसाब से इमेज जनरेट कर देगा।

डॉक में एड करें, साइज बदलें

एआइ इमेज तैयार होने पर पसंदीदा इमेज पर क्लिक करके उसे सीधे अपने डॉक्यूमेंट में डाल सकते हैं। गूगल डॉक्स इमेज के लिए अलग-अलग आकार (जैसे स्क्वायर, हॉरिजॉन्टल या वर्टिकल) चुनने की सुविधा देता है। इसे डॉक्यूमेंट लेआउट के हिसाब से कस्टमाइज कर सकते हैं। अगर पेजलेस डॉक्यूमेंट है, तो फुल-कवर इमेज भी बना सकते हैं।

- अंजलि का पंवार

CAREER TECH

इस बैंक में नौकरी पाने के अच्छे अवसर

इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर के बंधन बैंक ने कई पदों पर भरतियां निकाली हैं। इनकी जानकारी बंधन बैंक के ऑफिशियल लिंबडइन पेज से ली जा सकती है।

इन पदों पर हैं नौकरियां

- **मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम एजीक्यूटिव**: यह भर्ती दिल्ली के लिए है। संबंधित फील्ड में कम से कम 6 माह अनुभव अनिवार्य है। ऐसे कैंडिडेट चाहिए तो तुरंत जॉइन कर सकें।
- **मार्केट रिसर्क मैनेजर**: यह भर्ती कोलकाता के लिए है। कैंडिडेट को लिक्विडिटी कन्वर्ज रेसियो को मॉनिटर करना होगा। समय से डीएसबी सबमिशन करना होगा।
- **रिलेशनशिप मैनेजर**: यह भर्ती कोलकाता के लिए है। कैंडिडेट को लिक्विडिटी कन्वर्ज रेसियो को मॉनिटर करना होगा। समय से डीएसबी सबमिशन करना होगा।

शॉर्ट स्टोरी

तोल मोल के बोल

पुराने जमाने की बात है। एक आदमी अपनी घोड़ी पर चूड़ियां लाद कर गांव-गांव घूमकर उन्हें बेचा करता था। जब वह चूड़ियां बेचने ले जाता, तब अपनी घोड़ी को बड़े प्यार से हांकते हुए कहता था, ‘चल मेरी बहन, चल मेरी भाभी, चल मेरी मां।’ लोग जब यह सुनते थे तो उन्हें बड़ा आश्चर्य होता था। एक दिन एक आदमी ने उस चूड़ी वाले को टोकते हुए कहा, ‘क्यों भाई यह क्या कह रहे हो? इस घोड़ी से तुम्हारा कैसा रिश्ता? यह तुम्हारी बहन और भाभी कैसे बन गई?’ पहले तो चूड़ी वाले ने हँसकर टालना चाहा। जब उस व्यक्ति ने सवाल दोहराया तो चूड़ी वाले ने जवाब दिया, ‘आप जानते ही हैं कि मेरा काम चूड़ी बेचने का है और चूड़ियां हमेशा माता, बहन और भाभियाँ ही खरीदती हैं, इसलिए मैं सावधानी रखता हूँ कि मेरे मुँह से कहीं कोई अपशब्द न निकल जाए। मेरी आदत बनी रहे कि हमेशा मुँह से माता, बहन और भाभी ही निकले। यही कारण है कि मैंने घोड़ी के साथ भी माता, बहन और भाभियों का रिश्ता बना रखा है।’

TECH KNOWLEDGE

कई ऐसी जगह होती हैं, जो वाइ-फाइ सिग्नल प्रभावित करती हैं...

वाइ-फाइ राउटर की लोकेशन से जुड़े मिथक

वाइ-फाइ राउटर की स्पीड को लेकर अक्सर संशय बना रहता है। इसमें राउटर की लोकेशन भी जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में राउटर को खुले स्थान पर रखें। कौनों, खिड़कियों और फर्श से बचें और इसके आस-पास भारी फर्नीचर और वस्तुएं भी न रखें। लोकेशन से जुड़े कुछ मिथक पर चर्चा—

मिथक: राउटर को कोने में रखना अच्छा है।

सच्चाई: राउटर को लिविंग रूम या बेडरूम के कोने में रखने से जगह साफ-सुथरी दिख सकती है, लेकिन यह वाइ-फाइ सिग्नल को प्रभावित कर सकता है। आदर्श रूप से राउटर को केंद्रीय स्थान पर रखना चाहिए ताकि यह सभी दिशाओं में सिग्नल दे सके।

मिथक: राउटर को फर्श पर रखें।

सच्चाई: राउटर को फर्श पर रखने से

वाइ-फाइ सिग्नल का प्रसार सीमित हो सकता है। ध्यान रखें सिग्नल नीचे और बाहर की ओर भी जाते हैं। इसलिए राउटर को थोड़ी ऊंचाई पर रखें।

मिथक: दीवारें, खंभे और फर्नीचर सिग्नल कमजोर कर सकते हैं।

मिथक: राउटर को पानी के स्रोतों के पास रख सकते हैं।

सच्चाई: खिड़की का कांच वाइ-फाइ सिग्नल को बिखेर या परावर्तित कर सकता है और कनेक्टिविटी खराब हो सकती है। खिड़की खुली होने पर भी राउटर सीधे धूप के संपर्क में आकर गर्म हो सकता है, जिससे परफॉर्मेंस खराब हो सकती है।

TECH KNOWLEDGE

कई ऐसी जगह होती हैं, जो वाइ-फाइ सिग्नल प्रभावित करती हैं...

वाइ-फाइ राउटर की लोकेशन से जुड़े मिथक

वाइ-फाइ राउटर की स्पीड को लेकर अक्सर संशय बना रहता है। इसमें राउटर की लोकेशन भी जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में राउटर को खुले स्थान पर रखें। कौनों, खिड़कियों और फर्श से बचें और इसके आस-पास भारी फर्नीचर और वस्तुएं भी न रखें। लोकेशन से जुड़े कुछ मिथक पर चर्चा—

मिथक: राउटर को कोने में रखना अच्छा है।

सच्चाई: राउटर को लिविंग रूम या बेडरूम के कोने में रखने से जगह साफ-सुथरी दिख सकती है, लेकिन यह वाइ-फाइ सिग्नल को प्रभावित कर सकता है। आदर्श रूप से राउटर को केंद्रीय स्थान पर रखना चाहिए ताकि यह सभी दिशाओं में सिग्नल दे सके।

मिथक: राउटर को फर्श पर रखें।

सच्चाई: राउटर को फर्श पर रखने से

वाइ-फाइ सिग्नल का प्रसार सीमित हो सकता है। ध्यान रखें सिग्नल नीचे और बाहर की ओर भी जाते हैं। इसलिए राउटर को थोड़ी ऊंचाई पर रखें।

मिथक: दीवारें, खंभे और फर्नीचर सिग्नल कमजोर कर सकते हैं।

मिथक: राउटर को पानी के स्रोतों के पास रख सकते हैं।

सच्चाई: खिड़की का कांच वाइ-फाइ सिग्नल को बिखेर या परावर्तित कर सकता है और कनेक्टिविटी खराब हो सकती है। खिड़की खुली होने पर भी राउटर सीधे धूप के संपर्क में आकर गर्म हो सकता है, जिससे परफॉर्मेंस खराब हो सकती है।

वाइ-फाइ राउटर की स्पीड को लेकर अक्सर संशय बना रहता है। इसमें राउटर की लोकेशन भी जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में राउटर को खुले स्थान पर रखें। कौनों, खिड़कियों और फर्श से बचें और इसके आस-पास भारी फर्नीचर और वस्तुएं भी न रखें। लोकेशन से जुड़े कुछ मिथक पर चर्चा—

रोचक जानकारी

कॉमिक्स की कहानी है कमाल की

कॉमिक्स से यहां हमारा आशय दोस्तों चित्रकथाओं से है। मनुष्य हजारों सालों से, बल्कि सभ्यताओं के जन्म के पहले से ही कहानियों को केन्द्र में रखकर चित्र बना रहा है। पुराने गुफा चित्रों में ऐसी कहानियां मिलती हैं। सभ्यता के जन्म के बाद मिथ, यून, मेसोपोटामिया और भारत में कथा-चित्र मिलते हैं। अर्जन्ता-एलोरा की गुफाओं में बने चित्र कहानियां कहते हैं। पर, यदि आधुनिक कथा चित्रों की बात करें, तो उन्नीसवीं सदी में कार्टून कला के विकसित होने के बाद कॉमिक्स की शुरुआत भी हुई। वर्ष 1841 में शुरू हुई ब्रिटिश पत्रिका ‘पंच’ ने पहली बार आधुनिक किस्म के कार्टून छापने शुरू किए। शुरू में एक तस्वीर होती थी। फिर यह रिस्प बनी। उन्हीं दिनों स्विस् कलाकार रोडोल्फे टॉफर ने चित्रकथाएं बनाना शुरू कर दिया था।

किया सबका मनोरंजन

सन् 1865 में जर्मन लेखक, कलाकार विल्हेम बुरा ने ‘मेक्स एंड मॉरिटर’ नाम के दो कॉमिक चरित्रों को तैयार किया। वर्ष 1895 में रिचर्ड आउटकोल्ट ने यलो किड नाम से कॉमिक स्ट्रिप शुरू की। जिन्हें पहले कॉमिक्स कह सकते हैं, क्योंकि उनमें चित्र में बैचुन बनावट पात्रों के संवाद लिखे गए थे। इसके बाद वॉल्ट डिज्नी के मशहूर पात्र मिकी माउस और डोनाल्ड डक आए, सुपरमैन, फैंटम, मैनरोड, फ्लैश गार्डन आए। जिन्होंने बच्चों का खूब मनोरंजन किया।

ज्ञानोदय में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया उत्साह



नीमच । ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें स्कूल के कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया।बच्चों ने अलग अलग वेश भूषा धारण कर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी व कोई शिक्षक, पॉडि, एस्ट्रोनाट बना व कुछ बच्चों ने बहुत अच्छा मैसैज दिया,

प्रकृति बचाओ, प्लास्टिक का प्रयोग न करे आदि कार्यक्रम में पथारे अतिथिगण श्रीमती सुनीता भारद्वाज व श्रीमती रजिआ अहमद ने बच्चों की प्रस्तुति को सराहा । स्कूल की निर्देशिका डॉ गरिमा चौरसिया ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नैतिक एवं आत्मनिर्भरता जैसे गुणों का वर्धन कर उनके भविष्य के लक्ष्य

को निर्धारित करती है। प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार पांडे बच्चों के प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि बच्चे ही राष्ट्र के निर्माता हैं। इनका सर्वांगीण विकास कक्षाओं में आयोजित क्रियाकलापों से होता है । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वीनस अमोलिक व जनि व्यास ने किया तथा श्रीमती नसरीन ने आभार व्यक्त किया ।

कार के आगे आया रोजड़ा रामपुरा नप अध्यक्ष घायल

पिपलिया मण्डी 26 नवम्बर (निप्र)। कार के आगे रोजड़ा आने से रामपुरा नगर परिषद् अध्यक्ष व उनका ड्राइवर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हादसा शाम 6.30 बजे करीब पिपलिया-मनासा मार्ग पर हुआ। नप अध्यक्ष सीमा (42) पति जितेन्द्र जागीरदार को लेकर ड्राइवर श्यामलाल धनगर (30) कार से लेकर पिपलियामंडी की ओर आ रहे थे, जिन्हें किसी कार्यक्रम में मंदसौर जान था।

कार में एक बालिका भी सवार थी। गुड़भेली बड़ी से आगे राधास्वामी सत्संग के निकट अचानक सड़क पर आया रोजड़ा कार से टकरा गया। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई व कार में सवार अध्यक्ष को मूह व गर्दन पर व ड्राइवर को भी मामूली चोट आई, जिनका यहां निजी अस्पताल में उपचार कराया।

बोर्ड परीक्षाओं में एक केंद्र पर रह सकेंगे अधिकतम 250 परीक्षार्थी, नकल रोकने के लिए कवायद

भोपाल (एजेंसी)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) से संबद्ध स्कूलों में 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं आगामी 25 फरवरी से शुरू हो जाएंगी। इन परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए माशिम ने प्रत्येक केंद्र पर अधिकतम 250 परीक्षार्थियों को ही शामिल करने के निर्देश दिये हैं। बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रदेश में चार हजार से अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने उन्हीं स्कूलों को केंद्र बनाने को कहा है जिनके पास फर्नीचर, पेयजल, शौचालय, बिजली, इंटरनेट, सीसीटीवी कैमरों की सुविधा हो। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को केंद्र तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे जिला शिक्षा अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के साथ प्रस्तावित केंद्रों में खुद जाकर सुविधाएं देखेंगे। उनके अनुमोदन



के साथ यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा जाएगा। यहां से मंजूरी मिलने के बाद ही परीक्षा केंद्रों पर मुहर लगेगी।

बताया जा रहा है कि सामान्य तौर पर 30 सितंबर तक केंद्रों का चयन कर लिया जाना था, लेकिन नये निर्देशों की वजह से इसमें देरी हो रही है। दिसंबर के पहले सप्ताह तक केंद्रों का चयन कर लेने की कोशिश हो रही है।

इस बार निजी स्कूलों में अधिक केंद्र - अधिकारियों का

कहना है कि कई बार मंडल में शिकायत मिली है कि केंद्रों पर परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण परेशानी होती है। वे एक साथ बैठ जाते हैं और नकल होने लगती है।

बेंच व डेस्क पर जगह नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को नीचे बैठाया जाता था, जिससे समुचित निगरानी करना संभव नहीं हो पाती। इस कारण इस बार निजी स्कूलों में अधिक केंद्र बनाए जाएंगे।

एप के जरिए उड़नदस्तों की निगरानी - इस बार मंडल उड़नदस्तों को लेकर भी व्यवस्था में बदलाव कर रहा है। पिछली परीक्षा तक अलग-अलग स्तर पर उड़नदस्ते बनाए जाते थे। इनमें ब्लॉक लेवल, जिला स्तर पर डीईओ, संयुक्त संचालक सहित स्कूल शिक्षा के अन्य अधिकारी भी उड़नदस्ते में शामिल होते हैं। इनमें से सभी पर निगरानी मंडल लेवल पर नहीं हो पाती थी। इस बार एप के जरिए मंडल खुद इसकी निगरानी करेगा।

कई जिलों से परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने से नकल की संभावना बढ़ने की शिकायतें मिली थीं। उसकी वजह से इस बार परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की संख्या सीमित रखने का निर्देश दिए गए हैं। कम संख्या होने से निगरानी आसान होगी।

- के.डी त्रिपाठी, सचिव, माध्यमिक शिक्षा मंडल

जिला अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश....

सर्दी को दृष्टिगत रख रैन बसेरा में आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें - चन्द्रा

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करें

नीमच 26 नवम्बर (निप्र)। जिले में सर्दी को ध्यान में रखते हुए नगरीय क्षेत्रों में रैन बसेरा में आश्रितों के लिए सभी आवश्यक प्रबंध तत्काल सुनिश्चित किए जायें। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, यात्री प्रतिष्ठालयों, अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था संबंधित निकाय तत्काल करवायें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें, कि रात्री में कोई भी खुले में न सोयें, जखूरतमंदों के आश्रय की माकूल व्यवस्था करें।

यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को

पंचायतों के उप निर्वाचन के मतदान दलों का प्रशिक्षण 29 को

नीमच 26 नवम्बर (निप्र)। पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2024 उत्तरार्द्ध के सुलभ कार्य संपादन हेतु मतदान दल में नियोजित अधिकारियों - कर्मचारियों का प्रथम प्रशिक्षण 29 नवम्बर 2024, को प्रातः 11:00 बजे से 2:00 बजे तक नवीन तहसील कार्यालय नीमच में आयोजित किया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधितों को इस प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये हैं।

जिले में संविधान दिवस मनाया गया

नीमच 26 नवम्बर (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अरविंद डामोर के निर्देशानुसार संविधान दिवस पर जिले के सभी 125 पूर्ण अमृत सरोवरों पर ग्रामीणजनों की उपस्थिति में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया और ऑनलाइन सर्टिफिकेट जनरेट किया गया। यह कार्य ग्रामीण विकास विभाग के सभी उपयंत्री एवं पी सी ओ को पंचायतवार नोडल अधिकारी नामांकित कर करवाया गया।



दिये। बैठक में ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सी.ई.ओ. अरविंद डामोर, सभी एस.डी.एम. व जिला अधिकारी तथा सी.एम.ओ. उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर चन्द्रा ने निर्देश दिए, कि विभिन्न स्वरोजगारमूलक, हितग्राहीमूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृति के लिए बैंकों द्वारा वांछित दस्तावेजों की एक चेक लिस्ट तैयार कर

विभागों को उपलब्ध करा दी जाये। संबंधित विभाग चेक लिस्ट अनुसार प्रकरणों में दस्तावेजों की पूर्ति करवाकर, बैंकों को प्रकरण प्रस्तुत करेंगे, जिससे कि प्रकरणों की स्वीकृति में अनावश्यक विलंब न हो।

बिजली के बकाया देयकों का भुगतान करवाए - बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिये, कि वे विद्युत के बकाया

देयकों का भुगतान करवाए। देयकों के भुगतान के लिए राशि उपलब्ध है, तो तत्काल भुगतान करें और यदि बजट की आवश्यकता है, तो उसकी मांग कर लें। कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, शिक्षा व आदिम जाति कल्याण विभाग को पुनः बकाया बिलों का शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिये।

100 दिवस से अधिक की

शिकायतों को निराकृत करवाए - बैठक में सी.एम. हेल्प लाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिये, कि वे इस सप्ताह 100 दिवस या उससे अधिक की लम्बित शिकायतों के निराकरण पर विशेष रूप से फोकस करें और इस सप्ताह 100 दिवस या उससे ऊपर की शत-प्रतिशत शिकायतों को निराकृत कर दें।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों/समस्याओं का भी प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिये। कलेक्टर कहा, कि सी.एम. हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में अब तक राजस्व, खाद्य, श्रम, कृषि, सामाजिक न्याय विभाग ने बेहतर कार्य किया है। अन्य विभाग भी लम्बित शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करवाए और अपने विभाग की ग्रेड में सुधार लाएं।

ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर परिचर्चा का हुआ आयोजन



नीमच 26 नवम्बर (निप्र)। ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय नीमच में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर परिचर्चा एवं मौलिक कर्तव्यों के पालन की शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ अतिथिगण एवं प्राचार्य डॉ.विवेक नागर द्वारा मां सरस्वती एवं डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।प्राचार्य डॉ. विवेक नागर ने स्वागत भाषण एवं परिचर्चा के विषय 'भारत में विधि के शासन की स्थापना में न्यायपालिका की भूमिका ' का प्रवर्तन करते हुए कहा कि हम 75 वीं संविधान दिवस मना रहे हैं ,एवं 26 नवम्बर 1949 में हमारी संविधान सभा ने भारत का संविधान तैयार कर देश को सौंपा था एवं संविधान के कुछ

प्रावधान आज ही के दिन लागू हो गए थे। भारत की न्यायपालिका को संविधान का सजग प्रहरी कहा जाता है साथ ही अनुच्छेद 14 में उल्लेखित विधि के समक्ष समानता का प्रावधान विधि के शासन की स्थापना करता है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय प्रत्येक उस नियम या विधि को असंवैधानिक घोषित कर सकता है जो संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। परिचर्चा में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रभावी उद्बोधन दिया जिसमें प्रथम स्थान पर आरीष खां,द्वितीय स्थान पर हिमांशु दास एवं तृतीय स्थान पर नंदिता रही।

इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी हर्षित बिसेन ने संविधान की उद्देशिका का वाचन किया । श्री बिसेन ने विधि शासन की स्थापना में माननीय सर्वोच्च

न्यायालय के कई महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यायपालिका ने विधि के शासन की स्थापना में प्रारंभ से ही अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि श्री प्रेमप्रकाश जैन ने कहा कि भारत का संविधान विश्व के विभिन्न संविधानों में सर्वश्रेष्ठ लोक कल्याणकारी संविधान है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आरोपियों के निवास पर बुलडोजर कार्रवाई को सीमित करने वाला निर्णय इस बात का प्रतीक है हमारे देश में प्रजातंत्र और विधि का शासन है और न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका से देश की तरक्की हो सकती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं प्रबंध समिति के सदस्य श्री अख्तरअली शाह ने मौलिक

कर्तव्यों का वाचन किया तथा विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य पालन को भी महत्व दें। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि नीमच के श्री सीताराम जाजू संविधान सभा के सदस्य रहे। विद्यार्थियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के डिफेंस लॉयर चंपालाल इस्वर ने भी संबोधित किया। परिचर्चा के निर्णायक सहा. प्राध्यापक सुश्री कृतिका द्विवेदी एवं श्रीमती कीर्ति कौशिक रहे।

कार्यक्रम का संचालन सहा. प्राध्यापक डॉ.वर्षा काष्ठवाल ने किया एवं आभार श्रीमती निमता पाराशर ने माना। कार्यक्रम में प्रबंध समिति सदस्य श्री सुमित जिंदापणी,घनश्याम भटनागर,प्रवीण पाटीदार,संजय,अर्जुन एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866